

जालते हैं। ये पशुओं की वीलियों की नकल करने में भी दक्ष होते हैं। सामान्यतः Bpshman मिश्रण पर किसी सम्बंधी के साथ ही जाते हैं।

आखेट के अलावा Bpshman में स्तियों संग्रहण का कार्य भी करती हैं। ये कन्दमूल, बर, तरबूज आदि फलों के साथ-साथ कीड़े-मकौड़े, छिपकली, कछुए आदि भी संग्रहित करते हैं।

(vii) भोजन (FOOD) :- Bpshman लोग सर्वाहारी होते हैं। ये आखेट से प्राप्त मांस, मछली के अलावा संग्रहित फल, शहद, छोटे-मोटे किड़े मकौड़े आदि को भोजन के रूप में ग्रहण करते हैं। भोजन उपलब्ध होने पर ये खुब जमकर खाते हैं, परन्तु इसके अभाव में ये कई-कई दिन भूख रहते हैं। Bpshman प्रायः मांस को कच्चा या खुली आग में भून कर खाते हैं। एक विशेष प्रकार के तरबूज 'सामा' से इन्हें भोजन व जल की प्राप्ति होती है।

(viii) वस्त्र (CLOTHES) :- अत्यधिक गर्मी के कारण ये लोग वस्त्रों का कम ही प्रयोग करते हैं। पुरुष सामान्यतः चमड़े की लंगोटे पहनते हैं। तथा स्त्रियाँ चमड़े के वस्त्र पहनती हैं जो कमर से पैर तक लटका रहता है। साथ ही करीब नामक वस्त्र पहनती हैं जो कंधे से कमर तक बसा जाता है। ये लोग कुम्भी स्नान नहीं करते हैं किन्तु धूप तथा मछली से बचने के लिए शरीर पर चर्बी मिलाई हुई लाल या सफेद मिट्टी का लेप लगाते हैं।

(ix) आवास (SHELTER) :- Bpshman एक छुमकड़ जाति हैं अतः इसका कोई निश्चित आवास नहीं

होना है। मौसम की कठोरता से खुद को बचाने के लिए ये लोग गुफाओं या कन्दराओं में शरण लेते हैं।

(खं) सामाजिक स्थिति (SOCIAL COUNDTION) :- इनके सामाजिक संगठन में छोटे

छोटे दल होते हैं जो सामान्यतः श्वेत या विवाह द्वारा सम्बद्ध होते हैं। एक दल में 20-100 तक लोग पाए जाते हैं। एक दल में कई परिवार होते हैं और इनमें नैनागिरी की प्रणाली नहीं होती है। प्रत्येक दल अपने अधिकार क्षेत्र में विचार करता है। अगर कभी ये धातुक जानवरों का पिछा करते समय या मूल से दूरे से दल के क्षेत्र में चल जाते हैं तो उन्हें सम्बंधित क्षेत्र से विचार बांटना पड़ता है।

Bushman लोग super natural powers में गहरी विश्वास रखते हैं। आखेट में सफलता प्राप्त करने के लिए जादूटोनों का प्रयोग किया जाता है। जिस जानवर का विचार करना होता है उसी जाति के जानवर के मांस की शंख को मुख पर या शरीर पर मल कर जान पें आखेट में सफलता मिलती है। ऐसा इनका विश्वास होता है।

(खं) आधुनिक स्थिति (RECENT CONDITON) :- आधुनिक समय समाज के सम्पर्क

में आने से इनके जीवन शैली में सकारात्मक परिवर्तन आया है। मुख्यतः आखेटक ये लोग अब कृषि, खनन, यालायात व अन्य सेवाओं में मजदूरी करने लगे हैं। किन्तु ऐसे लोगों की संख्या अत्यंत कम है। स्थिति मूल स्थिति अभी भी यथावत है।

निष्कर्षतः एक बात कही जा

सकती है कि Bushman लोगों ने आग्नेय जनक ढंग से अपने प्राकृतिक पर्यावरण के साथ समाश्लेषण कर रखा है। Bushman की जीवन शैली भौतिक पर्यावरण से मनुष्य की सांकेतिक सम्बंध का एक विशिष्ट उदाहरण है।

